पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की
प्रोन्नति मिली तो एहसान करने वाले को नहीं भूलीं जयबाला
दो दशक बाद भी राम नाईक के एहसान को नहीं भूलीं जयबाला
राम भाऊ जहां रहें स्वस्थ एवं सानन्द रहें - जयबाला

लखनऊः 25 नवम्बर, 2018

'मेरा सन्देश राम भाऊ तक पहुँचा दो। उनका मुझ पर बहुत एहसान है। मैं आज जहां हूँ वह राम नाईक साहब की देन है। मेरा रोम-रोम उनका कृतज्ञ है। राम भाऊ स्वस्थ और सानन्द रहें, मेरी मंगलकामनाएं उनके साथ हैं।' कुछ इन शब्दों में दोनों पैरों से मजबूर सुश्री जयबाला आशर ने राज्यपाल श्री राम नाईक को सन्देश उनकी पुत्री श्रीमती विशाखा कुलकर्णी के माध्यम से भेजा है।

ज्ञातव्य है कि राज्यपाल श्री राम नाईक 1998 में रेल राज्य मंत्री थे। 26 अक्टूबर, 1998 को मुंबई उपनगरी रेल में यात्रा करने वाली सुश्री जयबाला आशर पर कुछ बदमाशों ने हमला किया। सुश्री जयबाला हिम्मत दिखाते हुए बदमाशों से भिड़ गई। बदमाशों ने उसे रेल से नीचे फेक दिया। उस दुर्घटना में सुश्री जयबाला को दोनो पैर गंवाने पड़े। श्री राम नाईक ने रेल राज्य मंत्री रहते हुए बहादुर जयबाला को 50,000 रूपये का पुरस्कार दिया। रेलवे ने इलाज का पूरा खर्च उठाया। विशेष परिस्थितियों में जयबाला को पश्चिम रेलवे में नौकरी दी गई।

आज बीस वर्ष बाद उसे प्रोन्नति मिली, अब वह वरिष्ठ लिपिक हो गई हैं। सुश्री जयबाला ने राज्यपाल श्री राम नाईक की पुत्री श्रीमती विशाखा से भेंट किया और अपनी कृतज्ञता प्रकट की।

अंजुम/दिलशाद/राजभवन (461/42)